अल्कोहल आधारित उद्योगों को आकर्षित करने के लिए नौ जुलाई को इन्वेस्टर्स समिट

यूपी को अल्कोहल आधारित उत्पादों के निर्यात का केंद्र बनाने की कोशिश में राज्य सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : सरकार राज्य को अल्कोहल आधारित उत्पादों के निर्यात का बड़ा केंद्र बनाने की कोशिश में है, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को जल्द से जल्द एक ट्रिलियन डालर तक ले जाया जा सके। इसके लिए नौ जुलाई को अल्कोहल आधारित उद्योगों को आकर्षित करने के लिए लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से अल्कोहल से जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देकर यूपी को उपभोग आधारित प्रदेश से निर्यात उन्मुखी प्रदेश की ओर ले जाने का काम सरकार करेगी।

इन्वेस्टर्स समिट की सफलता के लिए गुरुवार को आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह की अध्यक्षता में निवेशकों के साथ वर्चुअल बैठक की गई, जिसमें देशभर से 85 निवेशकों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक ले जाने के लक्ष्य को प्राप्त करने पर चर्चा के साथ ही प्रदेश से अल्कोहल आधारित उत्पादों का वैश्विक स्तर पर निर्यात किए जाने पर मंथन किया गया। राज्य में स्थानीय स्त्रोतों से उत्पादित वाइन व बीयर के प्रोत्साहन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही अल्कोहल निर्माताओं को प्रदेश की मौजूदा नीतियों में उपलब्ध प्रोत्साहन-प्रविधानों के बारे में बताया गया।

बैठक में अल्कोहल उद्योग से संबंधित एसोसिएशन, उद्यमियों के साथ ही संभावित निवेशक शामिल हुए। अपर आबकारी आयुक्त (प्रशासन), अपर आबकारी आयुक्त, (लाइसेंसिंग एवं औद्योगिक विकास) भी उपस्थित थे। वाइन एसोसिएशन, यूपीडीए, अल्कोहल एंड ब्रिवर एसोसिएशन, कन्फेडरेशन आफ इंडियन अल्कोहल ब्रिवरीज कंपनीज आदि के प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के लिए प्रभारी वरिष्ठ प्राविधिक अधिकारी मुख्यालय संदीप बिहारी मोडवेल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इन्वेस्टर्स समिट से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए लोग उनके मोबाइल नंबर 9415119107 पर संपर्क कर सकते हैं।

- वर्चुअल बैठक में देश के 85 निवेशकों ने हिस्सा लिया

ओडिशा के अधिकारियों ने समझी उप्र की आबकारी नीति

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश में आबकारी प्रशासन की नीतियों से अब ओडिशा सरकार भी अपने यहां सुधार करेगी। इसके लिए गुरुवार को ओडिशा के अपर सचिव आबकारी देवाशीष पटनायक ने अपनी टीम के साथ प्रदेश के आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर आबकारी नीति व लाइसेंसिंग प्रणाली की जानकारी ली। अधिकारियों ने ई--लाटरी प्रणाली, कंपोजिट दुकानों की अवधारणा, शुल्क संरचना, तकनीकी प्लेटफार्म, ट्रैक एंड-ट्रेस सिस्टम और अनुपालन निगरानी तंत्र के संबंध में जानकारी दी। ओडिशा के अपर आबकारी सचिव ने प्रदेश की नीति को अनुकरणीय माडल बताया है।

एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था में अधिकतम योगदान देगा पर्यटन

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र के अधिकतम योगदान की कोशिश की जाएगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सभी सेक्टरों के संसाधनों को अधिकतम गति दी जानी चाहिए।

कई देशों में अर्थव्यवस्था पर्यटन पर टिकी हुई है। ऐसे में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी गति देने में यह क्षेत्र पूरी तरह सक्षम है। गुरुवार को पर्यटन भवन में हुई बैठक में मंत्री ने कहा कि निवेश आकर्षित करने एवं रोजगार सृजन के लिए पर्यटन नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। जिस तरह देश में घरेलू पर्यटन में प्रदेश पहले स्थान पर है, उसी तरह विदेशी पर्यटकों के मामले में भी आगे बढ़ा जाए। बैठक में सलाहकार संस्था डिलाइट ने एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया, जिसमें एआइ की मदद से पर्यटकों की गिनती करने और भविष्य की रणनीति जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने संस्था को निर्देश दिए कि पर्यटन सेक्टर का अधिकतम योगदान प्राप्त करने के लिए इससे और बेहतर क्या किया जा सकता है, इस पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, विशेष सचिव ईशा प्रिया, निदेशक पर्यटन प्रखर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें